हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

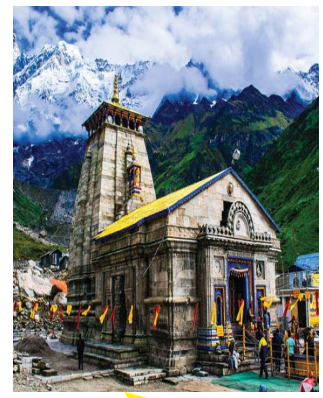

वर्ष:5 अंक:14 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, रविवार, 18 जनवरी 2026

रैबार-7 उत्तराखंड की सांस्कृतिक चेतना और विकास दृष्टि का प्रभावी मंच : अजीत डोभाल

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में आयोजित 'रैबार-7 : ब्रांड उत्तराखंड' कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के वक्तव्य से हुआ। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रसेवा और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। रैबार जैसे मंच राज्य की सामूहिक शक्ति, बौद्धिक क्षमता और विकास दृष्टि को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों, सामरिक महत्व और मानव संसाधन की सराहना करते हुए कहा कि यह देवभूमि देश की सुरक्षा और प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है।

कार्यक्रम में सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री रहते हुए रैबार कार्यक्रम की शुरुआत का उद्देश्य यह था कि प्रशासन, सेना, पुलिस, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा, संस्कृति सहित समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उत्तराखंडी एक मंच पर आकर प्रदेश के विकास को लेकर मंथन करें। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि रैबार से निकले अनेक विचार और सुझाव आज योजनाओं और पहलों के रूप में धरातल पर सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि रैबार केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह प्रयास निरंतर आगे बढ़े और इसका लाभ सीमांत व दूरस्थ गांवों तक पहुंचे, ताकि विकास की रोशनी राज्य के अंतिम छोर तक पहुंच सके। कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने उत्तराखंड की सैन्य परंपरा और युवाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि यह राज्य नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल है। महानिदेशक असम राइफल्स लेफ्टिनेंट जनरल विकास लाखेड़ा ने उत्तराखंड के युवाओं की क्षमता और समर्पण की सराहना की। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने उत्तराखंड को सांस्कृतिक और बौद्धिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और नवाचारों की जानकारी दी, जबकि वन मंत्री सुबोध उनियाल ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को उत्तराखंड की प्राथमिकता बताया। रैबार-7 के दौरान प्रशासनिक सुधार, युवाओं के लिए रोजगार, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा, संस्कृति और पर्यटन के संवर्धन तथा नवाचार आधारित विकास मॉडल पर गहन विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड को 'ब्रांड स्टेट' के रूप में स्थापित करने के लिए नीति, समाज और संस्थानों के बीच समन्वय आवश्यक है। हिल मेल द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम उत्तराखंड के लिए विचार, संवाद और संकल्प का प्रभावी मंच बनकर उभरा। रैबार-7 ने यह संदेश दिया कि सामूहिक सोच, अनुभव और प्रतिबद्धता के साथ उत्तराखंड विकास के नए शिखर छू सकता है।

रैबार-7 में उत्तराखंड के विकास और भविष्य पर हुआ व्यापक मंथन

पथ प्रवाह, नई दिल्ली। योगेश शर्मा

रैबार-7' कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत उत्तराखंड मूल के नीति विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्यमियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं युवा पेशेवरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड के समग्र विकास और भविष्य की संभावनाओं को लेकर सार्थक एवं गहन संवाद हुआ। वक्ताओं ने कहा कि रैबार जैसे वैचारिक मंच राज्य को नई दिशा देने के साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहे हैं।

नई दिल्ली के कंस्ट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में चर्चा के दौरान राज्य के दीर्घकालिक एवं संतुलित विकास मॉडल पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने स्थानीय संसाधनों पर आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक विशेषताओं के अनुरूप विकास योजनाएं बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के स्थायी साधन विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। स्वरोजगार के नए मॉडल, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने तथा युवाओं को नवाचार से जोड़ने को समय की मांग बताया गया। कार्यक्रम में पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं, आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग और डिजिटल सशक्तिकरण पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि तकनीक के माध्यम से दुर्गम क्षेत्रों तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सकती है। साथ ही जल-जंगल-जमीन के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को उत्तराखंड के विकास की आधारशिला बताया गया।

आपदा प्रबंधन की रणनीतियों पर चर्चा करते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि हिमालयी राज्य होने के कारण उत्तराखंड को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और पूर्व तैयारी के साथ आपदाओं का सामना करना होगा। युवाओं के लिए रोजगार के स्थायी अवसर सृजित करने, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर भी विचार रखे गए।

कार्यक्रम से यह संदेश उभरकर सामने आया कि ऐसे वैचारिक संवाद न केवल नीति निर्माण को मजबूती प्रदान करते हैं, बल्कि 'अपणा रैबार - अपणो उत्तराखंड' की भावना को भी और अधिक सशक्त करते हैं।

बंगाल को लूट रही तृणमूल, भाजपा लौटायेगी 'रुका हुआ' विकास : मोदी

मालदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल को लूटने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद ही राज्य में 'रुके हुए' विकास कार्य फिर शुरू हो सकते हैं।

मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल के चारों ओर 'सुशासन' की सरकार है। उन्होंने कहा कि ओडिशा, त्रिपुरा, असम और बिहार में भी भाजपा सरकार है। अब बंगाल में भाजपा सरकार आनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने हावड़ा-गुवाहाटी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद एक जनसभा में कहा, ' पश्चिम बंगाल का तेज़ विकास भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिकता है। यह खुशी की बात है कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन जहां से शुरू हो रही है, वह बंगाल है। मोदी ने कहा, ' मैं

बंगाल के विकास के लिये काम कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि सरकार की जो योजनाएं हैं, वे उसके सही हकदारों को मिलें, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। बंगाल की तृणमूल सरकार बहुत निर्दयी है। केंद्र सरकार बंगाल के विकास के लिये जो पैसे भेजती है, उसे तृणमूल के लोग लूट लेते हैं। उन्हें जनता की तकलीफ़ की कोई चिंता नहीं। वे अपनी तिजोरियां भरने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के लोग पश्चिम बंगाल को लूट रहे हैं और बंगाल का विकास रोक रहे हैं। उन्होंने कहा, ' मैं चाहता हूं कि यहां आयुष्मान भारत योजना लागू हो, लेकिन बंगाल देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां यह योजना लागू नहीं। बीते कुछ सालों में देश के करोड़ों गरीबों ने अपना मुफ्त इलाज करवाया है। लेकिन तृणमूल वाले बंगाल में मेरे किसी भी भाई-बहन को आयुष्मान भारत का लाभ नहीं लेने देते। ऐसी निर्मम सरकार की बंगाल से विदाई ज़रूरी है। मोदी ने कहा, ' केंद्र की भाजपा सरकार केंद्र में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना चला रही है। लाखों परिवारों ने इस योजना की मदद से अपने घरों में सोलर प्लांट लगाये हैं। मैं चाहता हूं कि बंगाल के लोगों को भी इस योजना का लाभ मिले और आपके घर का बिजली बिल भी शून्य हो जाये। लेकिन तृणमूल सरकार ऐसी योजनाओं को आगे नहीं बढ़ने देती। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों का तभी भला होगा, जब यहां विकास रोकने वाली तृणमूल सरकार नहीं, बल्कि उन्नयन वाली भाजपा सरकार होगी। उन्होंने कहा, ' यहां न फैक्ट्रियां लगती हैं, न किसानों को सुविधा मिल रही है। मालदा-मुर्शिदाबाद से किसानों को रोज़ी-रोटी के लिये पलायन करना पड़ता है। रेशम किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं। आम किसान बेहाल हैं। उन्होंने राज्य में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाला देते हुए कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार बनने पर यहां गंगा, महानंदा और फुलहर नदी पर बाढ़ से सुरक्षा के लिये पुख्ता इंतज़ाम किये जायेंगे। मोदी ने बंगलादेश सीमा की सुरक्षा को लेकर चिंता ज़ाहिर करते हुए कहा, ' बंगाल के सामने घुसपैठ बहुत बड़ी चुनौती है। दुनिया के समृद्ध देश भी अपने यहां से घुसपैठियों को निकाल रहे हैं। पश्चिम बंगाल से भी घुसपैठियों को बाहर निकालना बहुत ज़रूरी है। लेकिन तृणमूल सरकार के रहते हुए यह संभव नहीं। उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, ' तृणमूल का सिंडिकेट कई सालों से यहां घुसपैठियों को बसाने और मतदाता बनाने का खेल खेल रहा है। घुसपैठिये कई लोगों का हक छीनते हैं, रोज़गार छीनते हैं, बहनों-बेटियों पर अत्याचार करते हैं और आतंक जैसे अन्य अपराधों को बढ़ावा दे रहे हैं। मालदा-मुर्शिदाबाद सहित पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों में दंगे भी बढ़ रहे हैं। घुसपैठियों और सत्ताधारी लोगों के इस गठजोड़ को तोड़ना ही होगा। भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ और घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा, ' तृणमूल के शासन में महिलाएं स्कूल-कॉलेजों में भी सुरक्षित नहीं। निर्ममता ऐसी है कि बेटियों की कोई सुनवाई नहीं होती और पीड़ितों को बात-बात पर न्यायालय जाना पड़ता है। ' उन्होंने कहा कि अब बंगाल में सुशासन की बारी है। श्री मोदी ने जनसभा में 'पालटा नो दोरकार, बीजेपी सरकार' के नारे भी लगवाये।

सनातन धर्म की चेतना को जन-जन तक पहुँचाने में संत समाज की भूमिका अतुलनीय : अमित शाह

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी महाराज एवं दक्षिण काली मंदिर के प्रधान संत कैलाशानंद ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सप्रेम 'शक्ति स्तवन' नामक आध्यात्मिक ग्रंथ भेंट किया। इस अवसर पर सनातन धर्म की समकालीन प्रासंगिकता, सामाजिक उपयोगिता एवं सांस्कृतिक संरक्षण पर गहन विमर्श हुआ।

रविन्द्रपुरी महाराज ने कहा कि 'शक्ति स्तवन' ग्रंथ सनातन धर्म के मूल तत्वों को सरल, सारगर्भित एवं व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करता है, जिससे सामान्य जन भी सनातन मूल्यों को आत्मसात कर सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सनातन धर्म केवल आस्था का

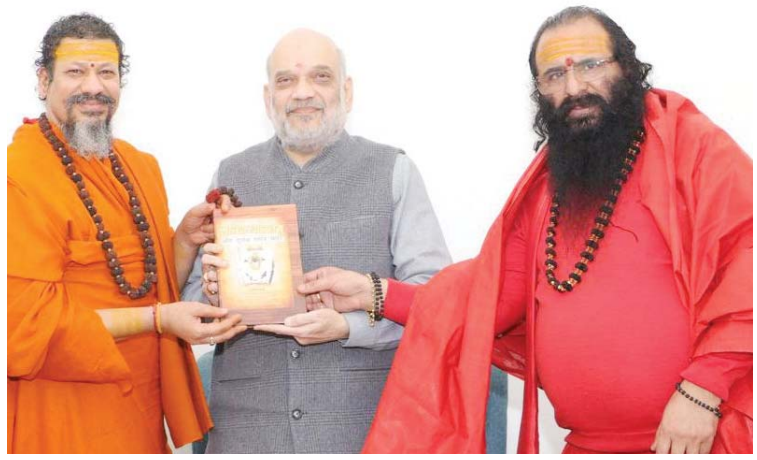

विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जिसने हिंदू समाज को प्राचीन काल से संस्कार, अनुशासन, करुणा एवं सामाजिक समरसता प्रदान की है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सबसे सशक्त माध्यम सनातन चेतना है। इसके सिद्धांतों में ऐसी अद्भुत विशेषताएँ निहित हैं, जिनका उपयोग हिंदू समाज युगों-युगों से करता आ रहा है और आज भी ये मूल्य समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 'सनातन धर्म की निरंतरता और जीवंतता का श्रेय संत समाज को जाता है। संत न केवल धर्मगुरु हैं, बल्कि वे समाज के नैतिक पथप्रदर्शक भी हैं। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद प्रारंभ से ही सनातन परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार में एक सशक्त स्तंभ रही है। इसके कार्य कुंभ, अर्धकुंभ एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के माध्यम से संपूर्ण समाज के समक्ष स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होते हैं। अमित शाह ने यह भी उल्लेख किया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में निरंजनी अखाड़े ने राष्ट्र और धर्म की रक्षा हेतु ऐतिहासिक भूमिका निभाई, जिसे देश कभी विस्मृत नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि संतों और अखाड़ों के इस अमूल्य योगदान का ऋण चुकाने का एकमात्र मार्ग यह है कि हम सभी मिलकर सनातन धर्म को और अधिक सशक्त, संगठित एवं प्रभावशाली स्वरूप प्रदान करें, जिससे इसकी चेतना आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुँच सके।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले संतगण, कुंभ और राष्ट्र निर्माण पर हुई विशेष चर्चा

पथ प्रवाह, नई दिल्ली/हरिद्वार

देश के गृह मंत्री अमित शाह से विगत दिवस पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत रवींद्र पुरी महाराज ने शिष्टाचार भेंट की। इस महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान आगामी कुंभ और 'विकसित भारत' की संकल्पना में सनातन धर्म की सक्रिय भूमिका का खाका प्रस्तुत किया गया। मुलाकात के दौरान पूज्य संतों ने गृह मंत्री अमित शाह को आश्वस्त किया कि एक समर्थ और सशक्त भारत के निर्माण में सनातन मूल्य और भारतीय संस्कृति आधार स्तंभ हैं। अखिल भारतीय सनातन परिषद, शैक्षणिक संस्थाओं और हरिद्वार नागरिक मंच के माध्यम से यह प्रयास निरंतर जारी है कि संतों के मार्गदर्शन में शासन और समाज के बीच एक सुदृढ़ सेतु बनाया जा सके। आगामी कुंभ को केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि वैश्विक पटल पर भारत की सांस्कृतिक शक्ति के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

यातायात नियमों के पालन से ही लगेगा दुर्घटनाओं पर अंकुश–डा.विशाल गर्ग

पथ प्रवाह, हरिद्वार

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की अवधूत व्यापार मंडल इकाई के व्यापारियों ने सड़क सुरक्षा माह एवं यातायात नियमों के पालन की शपथ ली। प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम में आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी संतोषानंद महाराज की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में एआरटीओ निखिल शर्मा एवं नेहा झा ने व्यापारियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। व्यापारियों को संबोधित करते हुए स्वामी संतोषनंद महाराज ने कहा कि जीवन अमूल्य है। वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की जल्दबाजी ना करें और नियंत्रित गति से वाहन चलाएं। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष डॉ विशाल गर्ग ने कहा कि नाबालिग बच्चों को वाहन बिल्कुल ना दें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं फोर व्हीलर वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। ट्रैफिक सिग्नल लाइटों

का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। डा.विशाल गर्ग ने कहा कि अधिकांश दुर्घटनाएं तेज स्पीड के कारण ही होती हैं। इसलिए ओवर स्पीड में वाहन ना दौड़ाएं। जागरूकता और यातायात नियमों के पालन से ही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। अवधूत व्यापार मंडल के अध्यक्ष रविकांत शर्मा एवं महामंत्री मनीष ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए चलाया जा रहा जागरूकता अभियान सराहनीय है। इस तरह के आयोजन निरंतर किए जाने चाहिए। इस अवसर पर शहर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, प्रदेश सचिव मयंक मूर्ति भट्ट, अवधूत व्यापार मंडल के संरक्षक धीरेंद्र गुप्ता, सतीश शर्मा, उपाध्यक्ष हेमंत चावला, अंकित, सर्वेश व संजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

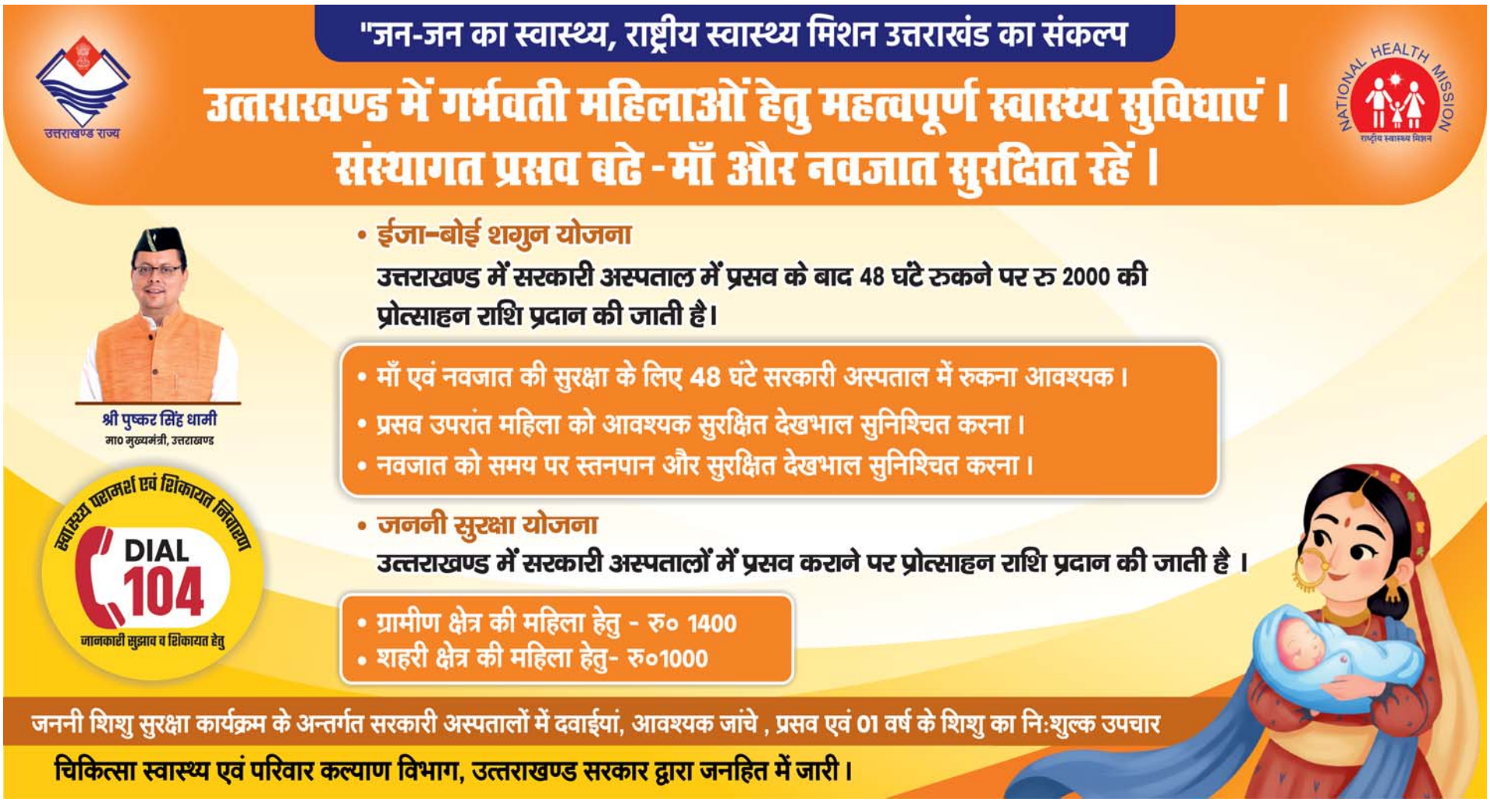

चिकित्सक और मरीज के बीच संवाद कायम रहना जरूरी-जिलाधिकारी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की हरिद्वार इकाई का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, डॉ विपिन मेहरा, डॉ लूथरा, डॉक्टर सिंघल की टीम ने ली शपथ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरिद्वार इकाई का शपथ ग्रहण समारोह सादगी और गरिमा के साथ सपन्न हुआ। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने हरिद्वार इकाई के अध्यक्ष डॉ विपिन मेहरा, महामंत्री डॉ प्रेम लूथरा एवं कोषाध्यक्ष डॉ राकेश कुमार सिंघल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।साथ ही अन्य पदाधिकारियों को भी शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि चिकित्सकों और मरीज और उनके परिजनों के बीच आपस में संवाद लगातार बना रहना चाहिए। ताकि मरीज और उसके परिजन चिकित्सक की सेवाओं से पूरी तरह संतुष्ट हो और अवगत रहे इससे चिकित्सक ,मरीज और उनके परिजनों के बीच किसी तरह की भी गलतफहमी नहीं रहेगी और ना ही किसी तरह की विवाद की स्थिति बनेगी।

जिलाधिकारी दीक्षित ने कहा कि चिकित्सक का धर्म मानव सेवा करना है। चिकित्सकों को जब डिग्री प्रदान की जाती है तब उन्हें निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करने का संकल्प दिलाया जाता है। हर चिकित्सक को अपने इस संकल्प को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन के संज्ञान में चिकित्सकों,मरीजों और उनके परिजनों के बीच कई बार विवाद होने की बातें आई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी के साथ बातचीत करके प्रशासन उनकी और मरीजों तथा उनके परिजनों की समस्याओं का समाधान करने का पूर्ण प्रयास करेगा। जिलाधिकारी दीक्षित ने सभी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई एवं शभकामनाएं दी। इस अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरिद्वार की इकाई की अध्यक्ष डॉ विपिन मेहरा ने कहा कि उनका संगठन जिलाधिकारी तथा अन्य अधिकारियों से बातचीत करके सभी समस्याओं का निदान करने का प्रयास करेगा।

उन्होंने कहा कि इस साल उनका संगठन सामाजिक सरोकारों को पूर्ण करने के लिए कई निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेगा। विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश सिंह ने कहा कि उनका विभाग समय-समय पर चिकित्सकों के साथ परामर्श कर उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करता है। इस अवसर पर संस्था के नवनिर्वाचित महामंत्री डॉक्टर प्रेम लूथरा ने सभी अतिथियों का आभार जताया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरिद्वार इकाई के अध्यक्ष डॉ विपिन मेहरा ने मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। डॉक्टर लूथरा ने विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राजेश सिंह को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निर्वतमान अध्यक्ष डॉ विकास दीक्षित एवं महामंत्री डॉ विमल कुमार को स्मृति चिन्ह देखकर भावभीनी विदाई दी गई। डॉ यतिन्द्र नाग्यान, डॉ संध्या शर्मा, डॉ रविकांत शर्मा आदि उपस्थित थे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरिद्वार की इकाई के इस साल अध्यक्ष डॉ विपिन मेहरा, महामंत्री डॉक्टर प्रेम लूथरा, कोषाध्यक्ष डॉ राकेश कुमार सिंघल, उपाध्यक्ष डॉ अंजुल श्रीमाली, उपाध्यक्ष महिला डा अनु लूथरा,सहसचिव डॉक्टर सुमंतु विरमानी, सहसचिव महिला डॉक्टर नेहा शर्मा, तकनीकी सचिव डॉ मुकेश मिश्रा, सांस्कृतिक सचिव डॉ अंकित देशवाल, राज्य प्रतिनिधि डॉक्टर दिनेश सिंह एवं अश्वनी चौहान, केंद्रीय प्रतिनिधि डॉ विजय वर्मा और डॉ एसके मिश्रा चुने गए। इसके अलावा कार्यकारिणी के सदस्यों में डॉ हिमांशु त्यागी,डॉ वंदना गुप्ता, डॉक्टर डॉ सुचित्रा सिंह, डॉ राहुल आहर, डॉ अक्षय शर्मा चुने गए।

एक नजर

विजिलेंस ने एक्कड़ कला गांव में 16 घरों में पकड़ी बिजली चोरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। देहरादून से विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम ने ग्राम एक्कड़ कला में सघन छापेमारी कर बिजली चोरी के बड़े मामले का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान गांव के 16 घरों में अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए उपभोक्ताओं को रंगेहाथ पकड़ा गया। यह अभियान विभाग द्वारा बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष निरीक्षण कार्यक्रम के तहत किया गया। छापेमारी का नेतृत्व एसडीओ रूपेश कुमार ने किया। टीम में देहरादून विजिलेंस के अधिकारी एवं लाइन स्टाफ के नसीम, गुलफाम और भूरा सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान कई घरों में मीटर से छेड़छाड़, सीधे लाइन डालकर बिजली उपयोग करने और अनधिकृत कनेक्शन पाए गए। विजिलेंस टीम ने मौके पर ही आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई करते हुए अवैध कनेक्शनों को काट दिया। विभागीय सूत्रों के अनुसार पकड़े गए मामलों में नियमानुसार आकलन कर संबंधित उपभोक्ताओं पर जुर्माना लगाया जाएगा, साथ ही आवश्यक होने पर विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। अधिकारियों ने ग्रामीणों को चेतावनी दी कि बिजली चोरी एक दंडनीय अपराध है, जिससे न केवल राजस्व की हानि होती है बल्कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है। विजिलेंस विभाग ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की छापेमारी जारी रहेगी। विभाग का उद्देश्य पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करना और ईमानदार उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना है।

पार्क में खेल रही सात साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कोतवाली नगर क्षेत्र की एक कालोनी के पार्क में अकेले खेल रही सात साल की बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास किये जाने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत के बाद कोतवाली नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी सूरज पोखरियाल पुत्र विरेंद्र प्रसाद निवासी घनस्याली बीरोंखाल पौड़ी वर्तमान में भूपतवाला में किराये पर रह रहा था। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रयास और पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि बीते शुक्रवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के एक पार्क में सात साल की बच्ची खेल रही थी। तभी आरोपी सूरज वहां पहुंचा। आरोप है कि उसने बच्ची का मुंह दबाया और उसे उठाकर अपने घर ले गया। सूरज ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। बाद में जब बच्ची घर पहुंची तो वो परिजनों के सामने रोने लगी। परिजनों के पूछने पर बच्ची ने आपबीती बतायी। जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को भारतमातापुरम में उसके कमरे पर दबिश देकर पकड़ लिया। नगर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह का कहना है कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी को बिना सत्यापन बतौर किराएदार रखा गया था। यह जानकारी सामने आने पर पुलिस ने मकान मालिक का भी पुलिस अधिनियम के तहत 10 हजार रुपये का चालान किया।

लक्सर में खनन माफियाओं का दुस्साहस, माइनिंग विभाग की टीम पर जानलेवा हमला

पथ प्रवाह, लक्सर

लक्सर कोतवाली क्षेत्र में अवैध खनन माफियाओं के हौसले एक बार फिर कानून व्यवस्था को चुनौती देते नजर आए। मुंडा खेड़ा कला गांव में अवैध खनन और परिवहन की सूचना पर कार्रवाई के लिए पहुंची माइनिंग विभाग की टीम पर खनन माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में माइनिंग विभाग के दो कर्मचारी वाजि और दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि हमले के दौरान दीपक के सिर में गंभीर चोट आई, जिन्हें तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

माइनिंग अधिकारी कलिला कृष्ण ने बताया कि मौके पर 10 से 12 की संख्या में मौजूद खनन माफियाओं ने टीम को चारों ओर से घेर लिया। पहले गाली-गलौज की गई और इसके बाद लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। हमलावरों का उद्देश्य टीम को डरा-धमकाकर सरकारी कार्रवाई को रोकना था।

घटना की सूचना पर लक्सर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए एक आरोपी लोकेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

इस घटना ने एक बार फिर अवैध खनन माफिया के बढ़ते दुस्साहस को उजागर कर दिया है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन के तेवर अब सख्त नजर आ रहे हैं और साफ संकेत दिए जा रहे हैं कि अवैध खनन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

जनता को मिल रहा बहुउद्देशीय शिविरों में विभागीय योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन पीआर चौहान की अध्यक्षता में विकासखंड रुड़की के न्याय पंचायत पनियाला चंदापुर ग्राम पंचायत रसूलपुर में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 483 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया। 736 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। शिविर में 4112 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग।

आयोजित शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 44 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 25 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया,शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति (राज्यमंत्री स्तर) देशराज कर्णवाल ने कहा कि प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना है तथा उनकी समस्याओं का त्वरित गति से समाधान सुनिश्चित करना है। शिविर में क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 समस्याएं दर्ज कराई गईं, जिनमें से 25 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिनमें भूमि विवाद, अतिक्रमण, विद्युत विभाग के बिल, जलभराव, चकरोड़ एवं साफ-सफाई से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन पी आर चौहान ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। शिविर में प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अनीश गौड़, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा नीलकमल शर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल वर्मा, खंड विकास अधिकारी सुमन कोठियाल सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

युग निर्माण चेतना का विराट उत्सव

हरिद्वार की पावन धरती एक बार फिर आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक चेतना के विराट संगम की साक्षी बनने जा रही है। युगऋषि पूज्य पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी की तप-साधना, अखिल विश्व गायत्री परिवार की संस्थापिका वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्मशताब्दी तथा सिद्ध अखंड दीप के सौ वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर आयोजित शताब्दी समारोह न केवल श्रद्धा और साधना का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सशक्त विचारधारा का उद्घोष भी है।

18 जनवरी को ध्वज वंदन के साथ प्रारंभ होने वाले इस शताब्दी समारोह और 19 जनवरी को आयोजित देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी सहित अनेक वीआईपी एवं विशिष्ट अतिथियों का आगमन आयोजन की गरिमा और महत्व को नई ऊँचाइयाँ देगा। मुख्यमंत्री की उपस्थिति राज्य की उच्च शिक्षा, संस्कृति और मूल्यनिष्ठ शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी।

दीक्षांत समारोह में लगभग डेढ़ हजार छात्र-छात्राओं को स्नातक, परास्नातक एवं डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। यह केवल उपाधि वितरण नहीं, बल्कि संस्कारयुक्त शिक्षा के माध्यम से युवाओं को समाज और राष्ट्र के लिए उत्तरदायी नेतृत्व हेतु तैयार करने का सशक्त मंच है। भारतीय संस्कृति आधारित उच्च शिक्षा की विशिष्ट पहचान को यह आयोजन और अधिक सुदृढ़ करेगा।

सायंकाल आयोजित होने वाला विशाल आदिवासी सम्मेलन–जिसमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आदिवासी स्वयंसेवकों की सहभागिता होगी–सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक स्वाभिमान और आत्मिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगा।

शांतिकुंज परिसर में कुलपताका आरोहण और वैदिक ऋचाओं के उद्घोष के साथ आरंभ हुआ यह समूचा आयोजन युगऋषि द्वारा प्रतिपादित व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की विचारधारा का सजीव उदाहरण है। निःसंदेह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत तमाम वीआईपी की उपस्थिति में आयोजित यह दीक्षांत एवं शताब्दी समारोह आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा का ऐतिहासिक अध्याय बनेगा।

बेल्डिंग स्क्रिब्नर -किडनी डायलिसिस के मुख्य अविष्कारक

संजय गोस्वामी

बेल्डिंग स्क्रिब्नर का जन्म 18 जनवरी, 1921 को शिकागो में हुआ था और उन्होंने विलियम्स कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया एट बर्कले और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ़ मेडिसिन में पढ़ाई की, जहाँ उन्हें 1945 में रूष्ठ. की डिग्री मिली। स्टैनफोर्ड में वे डॉ. थॉमस एडिस के मार्गदर्शन में आए, जिन्होंने सबसे पहले उन्हें किडनी की बीमारी की चुनौतियों से परिचित कराया। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को जनरल हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन में रेजिडेंसी पूरी की, जिसके बाद मेयो क्लिनिक में मेडिसिन में फेलोशिप की। मेयो क्लिनिक में रहते हुए, डॉ. स्क्रिब्नर ने पहली बार जॉन मेरिल के एक लेक्चर से कोल्फ़-ब्रिघम रोटेटिंग ड्रम आर्टिफिशियल किडनी के अनुभव के बारे में सुना। बेल्डिंग एच स्क्रिब्नर ने एक ऐसे डिवाइस का आविष्कार किया, जिसका श्रेय दुनिया भर में किडनी फेलियर वाले दस लाख से ज़्यादा मरीज़ों की जान बचाने को जाता है। हालाँकि शुरुआत में उनके काम का मज़ाक उड़ाया गया था, लेकिन यह उनके आविष्कार की असाधारण सफलता ही थी जिसने एक बड़े नैतिक दुविधा को जन्म दिया। मशहूर रॉबर्ट विलियम्स द्वारा सिएटल में भर्ती किए जाने के बाद, वे 1951 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में फैकल्टी में शामिल हुए और 1958 में उस संस्थान में नेफ्रोलॉजी डिवीजन के पहले प्रमुख बने, इस पद पर वे 24 साल तक रहे। वे 1990 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में एमेरिटस प्रोफेसर ऑफ़ मेडिसिन बने और 1984 से 1991 में अपनी रिटायरमेंट तक बेल्डिंग एच. स्क्रिब्नर एंडाउड चेयर इन मेडिसिन के पद पर रहे। रिटायरमेंट के बाद, वे कई सालों तक हर हफ़्ते नेफ्रोलॉजी डिवीजन में लौटते रहे ताकि मेडिकल छात्रों को अपनी बहुत लोकप्रिय फ्लूइड और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस क्लास पढ़ाते रहें। नेफ्रोलॉजी में डॉ. स्क्रिब्नर का योगदान उस काम से कहीं ज़्यादा था जिसने पहली बार क्रोनिक डायलिसिस को संभव बनाया। आने वाले सालों में, उन्होंने इस नई टेक्नोलॉजी को दुनिया भर के डॉक्टरों के साथ उत्साह से साझा किया, जो अपने मरीज़ों को क्रोनिक डायलिसिस कैसे देना है, यह सीखने के लिए सिएटल आए थे। उन्होंने अपने प्रोडक्टिव करियर का बाकी समय एंड-स्टेज रीनल केयर के कई पहलुओं पर अथक प्रयास करते हुए बिताया, जिसमें डायलिसिस ट्रीटमेंट की टेक्नोलॉजी में सुधार से लेकर सामान्य मेडिकल और सामाजिक मुद्दे शामिल थे जो एंड-स्टेज रीनल बीमारी वाले मरीज़ों की इस नई और बढ़ती आबादी के कारण पैदा हुए थे। वे और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में उनके ग्रुप ने क्रोनिक रीनल फेलियर वाले मरीज़ों को होने वाली कई मेडिकल समस्याओं, जैसे एनीमिया, रीनल ऑस्टियोडिस्ट्रॉफी और तेज़ कार्डियोवैस्कुलर बीमारी, को परिभाषित करने और उनके सफल इलाज को डिज़ाइन करने में सबसे आगे थे। उन्होंने होम हेमोडायलिसिस/सेल्फ केयर की शुरुआत की। रात भर पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए नई मशीनों के विकास के साथ इंटरमिटेंट पेरिटोनियल डायलिसिस को एक उपचार पद्धति के रूप में बेहतर बनाया गया। टेंकऑफ कैथेटर को हेनरी टेंकऑफ ने वाशिंगटन विश्वविद्यालय में डॉ. स्क्रिब्नर के कार्यक्रम में काम करते हुए विकसित किया था। डॉ. स्क्रिब्नर के कृत्रिम आंत के विजन से सिएटल में ब्रोवियाक-हिकमैन, बाद में हिकमैन, कैथेटर का विकास हुआ और यह आज की रूटीन टोटल पैरेंट्रल न्यूट्रिशन थेरेपी का आधार बना। डॉ. स्क्रिब्नर का दृढ़ विश्वास था कि डायलिसिस मुख्य रूप से अस्पताल के बाहर किया जाना चाहिए, इसे कभी भी लाभ के लिए नहीं किया जाना चाहिए, और यह सार्वभौमिक रूप से उपलब्ध होना चाहिए। न तो स्क्रिब्नर शंट, और न ही इसके बाद डायलिसिस में हुए किसी भी तकनीकी विकास का कभी पेटेंट कराया गया। 1962 में, किंग काउंटी मेडिकल सोसाइटी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. जेम्स हैविलैंड के साथ मिलकर, डॉ. स्क्रिब्नर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में पहली गैर-लाभकारी, आउट पेशेंट डायलिसिस सुविधा, सिएटल आर्टिफिशियल किडनी सेंटर की स्थापना की, जो तब से बढ़कर अभी भी गैर-लाभकारी नॉर्थवेस्ट किडनी सेंटर बन गया है, जिसमें 12 सैटेलाइट सुविधाएं हैं जो सिएटल/प्यूगेट साउंड क्षेत्र में 1000 से अधिक रोगियों का डायलिसिस करती हैं। 1962 में, उन्होंने दुर्लभ और बहुत महंगी डायलिसिस संसाधनों के आवंटन के संबंध में निर्णय लेने के लिए पहली गुमनाम आम समिति की स्थापना में भी मदद की, ताकि उनसे सबसे अधिक लाभ उठाने वालों को इसका फायदा मिल सके। एक जटिल नैतिक मुद्दे से निपटने के इस तंत्र को अक्सर बायोएथिक्स के आधुनिक अनुशासन की शुरुआत के रूप में जाना जाता है, और डॉ. स्क्रिब्नर को बायोएथिक्स का जनक कहा जाता है।

विकास की रफ्तार और विश्वास की पटरी-भारतीय रेल

विनोद कुमार सिंह

आदिशक्ति माँ काली से माँ कामाख्या तक,आधुनिक भारत की रेल-यात्रा की स्वर्णिम गाथा मालदा की धरती पर उस दिन केवल उद्घाटन और शिलान्यास का औपचारिक दृश्य नहीं रचा गया, बल्कि भविष्य की ओर बढ़ते भारत की एक सशक्त तस्वीर उकेरी गई*

पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी भारत को जोड़ने वाला यह क्षण उस दृष्टि का प्रतीक बना,जिसमें संपर्क को ही समृद्धि की पहली शर्त माना गया है।

भारत की विकास यात्रा में रेलवे की भूमिका सदैव केंद्रीय रही है।यह केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक गतिशीलता, आर्थिक विस्तार और राष्ट्रीय एकता की सबसे मजबूत कड़ी है।आज पं0 बंगाल की ऐतिहासिक धरती मालदा से प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने ?3,250 करोड़ से अधिक की रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास किया।जिससे यह स्पष्ट हो गया कि विकास अब केवल योजनाओं की भाषा नहीं,बल्कि धरातल पर उतरती हुई वास्तविकता है।प्रधानमंत्री द्वारा इस अवसर पर दिया गया औजस्वी उद्बोधन में महज़ घोषणाओं का संग्रह नहीं था।उसमें यह भाव स्पष्ट झलकता था कि पश्चिम बंगाल की प्रगति को अब टुकड़ों में नहीं,बल्कि समग्र दृष्टि से आगे बढ़ाया जा रहा है।नई रेल सेवाएँ,उन्नत रखरखाव सुविधाएँ और आधुनिक अवसंरचना–ये सभी प्रयास उस विश्वास को मजबूत करते हैं कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए।

नई रेल सेवाओं के आरंभ से आम नागरिक की यात्रा सुगम होगी, व्यापार और वाणिज्य को गति मिलेगी तथा युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसर सृजित होंगे।रेल अब केवल दूरी घटाने का माध्यम नहीं,बल्कि संभावनाओं को जोड़ने का सेतु बनती जा रही है।आज के इस पूरे कार्यक्रम का सबसे भावनात्मक और प्रतीकात्मक पक्ष देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ रहा।आदिशक्ति माँ काली की धरती से माँ कामाख्या की धरती तक दौड़ती यह ट्रेन केवल दो भौगोलिक बिंदुओं को नहीं जोड़ती, बल्कि आस्था, संस्कृति और आधुनिकता को एक सूत्र में पिरोती है।जो भारतीय रेल के इतिहास में एक नया अध्याय है,जहाँ तकनीक और परंपरा एक साथ यात्रा कर रही हैं।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी की यात्रा की परिभाषा बदलने जा रही है।आराम,सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उस भारत की झलक देती है,जो विकसित राष्ट्र के रूप में अपने परिवहन मानकों को नए स्तर पर ले जा रहा है। प्रधानमंत्री के उद्बोधन में यह भाव उभरकर सामने आया कि आज का भारत अब दूसरों की ओर देखकर आकांक्षा नहीं करता,बल्कि स्वयं उदाहरण गढ़ रहा है।कभी विदेशी ट्रेनों की तस्वीरें देखकर मन में उठने वाली चाह अब आत्मविश्वास में बदल चुकी है। 'मेक इन इंडिया' की भावना से निर्मित वंदे भारत ट्रेनें इस आत्मनिर्भरता का ठोस प्रमाण हैं। विदेशी पर्यटकों द्वारा भारतीय रेल के बदलते स्वरूप को कैमरे में कैद किया जाना इस परिवर्तन की वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाता है।

भारतीय रेल आज व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। विद्युतीकरण,स्टेशन पुनर्विकास,तेज़ रफ्तार ट्रेनों का विस्तार और आधुनिक तकनीक का समावेश–ये सभी प्रयास रेल को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल बना रहे हैं।देशभर में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनों का संचालन इस बदलाव की ठोस तस्वीर प्रस्तुत करता है।

इसी क्रम में पश्चिम बंगाल को मिली चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें–न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल, न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुच्चिरापल्ली, अलीपुरद्वार-बेंगलुरु और अलीपुरद्वार-मुंबई–उत्तर बंगाल की कनेक्टिविटी को ऐतिहासिक मजबूती देंगी। ये ट्रेनें केवल यात्रियों को नहीं, बल्कि संभावनाओं को दक्षिण और पश्चिम भारत तक पहुँचाएँगी।गंगासागर, दक्षिणेश्वर और कालीघाट जैसे तीर्थस्थलों की यात्रा अब और सहज होगी,वहीं तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से संपर्क मजबूत होने से व्यापार, शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।यह संपर्क ही वह आधार है, जिस पर आर्थिक विकास की स्थायी इमारत खड़ी होती है।

मोदी के उद्बोधन में यह बात विशेष रूप से रेखांकित हुई कि भारतीय रेल अब केवल आधुनिक नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भी बन चुकी है। आज भारत अमेरिका और यूरोप से अधिक लोकोमोटिव का निर्माण कर रहा है और यात्री ट्रेन व मेट्रो कोच अनेक देशों को निर्यात कर रहा है। यह उपलब्धि देश की तकनीकी क्षमता,औद्योगिक आत्मविश्वास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी सशक्त उपस्थिति को दर्शाती है।

मालदा कार्यक्रम के अंतर्गत जिन चार प्रमुख रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई–बलुरघाट- हिली नई रेल लाइन,न्यू जलपाईगुड़ी में अत्याधुनिक फ्रेट रखरखाव सुविधा,सिलीगुड़ी लोको शेड का उन्नयन और जलपाईगुड़ी जिले में वंदे भारत ट्रेन रखरखाव सुविधाओं का आधुनिकीकरण–वे उत्तर बंगाल के भविष्य को नई दिशा देंगी।यात्री और माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी, लॉजिस्टिक्स अधिक दक्ष होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।इसके साथ ही न्यू कूचबिहार- बमनहाट और न्यू कूचबिहार-बॉक्सीरहाट रेल खंडों का विद्युतीकरण राष्ट्र को समर्पित किया जाना इस बात का संकेत है कि स्वच्छ और ऊर्जा-कुशल परिवहन अब विकास नीति का अभिन्न अंग बन चुका है।

समग्र रूप से देखें तो मालदा से शुरू हुई यह पहल केवल एक दिन का आयोजन नहीं,बल्कि आने वाले दशकों की विकास यात्रा का संकेत है।

प्रधानमंत्री का उद्बोधन इस तथ्य को बार-बार रेखांकित करता है कि भारत को जोड़ना प्राथमिकता है और दूरियों को कम करना ही नही वह तो एक राष्ट्रीय मिशन है - जो माँ काली से माँ कामाख्या तक दौड़ती वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इसी मिशन की सबसे सशक्त प्रतीक बनकर सामने आती है–जहाँ आस्था, आधुनिकता और विकास एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।यही वह भारत है,जो अपनी जड़ों से जुड़ा रहकर,भविष्य की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है।

अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन

ललित गर्ग

मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है, वह आत्मा की सबसे सघन भाषा है। 18 जनवरी 2026 को आने वाली मौनी अमावस्या इसी मौन की महत्ता को जीवन के केंद्र में प्रतिष्ठित करने का पावन, सिद्ध एवं पवित्र अवसर है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में मौन को जितना ऊँचा स्थान दिया गया है, उतना शायद किसी अन्य साधना को नहीं। ऋषियों ने कहा है कि जहाँ शब्द समाप्त होते हैं, वहीं से सत्य आरंभ होता है। मौन वही बिंदु है जहाँ मन की चंचल तरंगें थमती हैं और चेतना का निर्मल सरोवर प्रकट होता है। यह जीवन का सौंदर्य भी है और ऊर्जा का अक्षय भंडार भी। मौन में शक्ति संचित होती है, दिशा मिलती है और अध्यात्म को गति प्राप्त होती है। मौनी अमावस्या का संबंध केवल कैलेंडर की एक तिथि से नहीं, बल्कि जीवन के गहरे अनुशासन से है। यह दिन मनुष्य को बाहरी कोलाहल से हटाकर अंतर्मुखी होने का निमंत्रण देता है। मौन का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति निष्क्रिय हो जाए, बल्कि यह कि उसकी चेतना जाग्रत हो जाए। जब वाणी विश्राम करती है, तब विवेक बोलने लगता है। मनुष्य का मन, जो सामान्यतः अतीत और भविष्य के बीच भटकता रहता है, मौन में वर्तमान में टिकना सीखता है। यही एकाग्रता आत्मशुद्धि का द्वार खोलती है। मौन साधना है, तप है और जीवन की आध्यात्मिक ऊँचाई है।

मौनी अमावस्या को अमावस्या का भी विशेष महत्व है। अमावस्या का अंधकार बाहरी रूप से भले ही रिक्तता का संकेत दे, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह भीतर की यात्रा का प्रतीक है। जब चंद्रमा अदृश्य होता है, तब मनुष्य के भीतर का चंद्र प्रकट होने की संभावना बनती है। मौन और अमावस्या का यह संयोग आत्मचिंतन को अत्यंत प्रभावशाली बना देता है। इस दिन किया गया मौन-व्रत केवल वाणी का संयम नहीं, बल्कि विचारों का परिष्कार भी है। विचारों की शुद्धि से ही कर्म शुद्ध होते हैं और कर्मों की शुद्धि से जीवन पवित्र बनता है। मौनी अमावस्या का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष पितृ तर्पण और पिंडदान से जुड़ा है। भारतीय संस्कृति में पितरों को केवल अतीत की स्मृति नहीं माना गया, बल्कि वे हमारी चेतना की जड़ें हैं। जिनसे हमें जीवन मिला, जिनके संस्कार हमारे रक्त में प्रवाहित हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना आध्यात्मिक दायित्व है। इस दिन पवित्र नदियों के तट पर या श्रद्धा के साथ घर में किया गया तर्पण और पिंडदान पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करता है। ऐसा माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन किए गए तर्पण से पितृलोक में विशेष संतोष और तृप्ति का संचार होता है।

तर्पण केवल जल अर्पण की क्रिया नहीं है, वह स्मरण की साधना है। जब संतति अपने पूर्वजों को श्रद्धा से याद करती है, तो एक अदृश्य सेतु बनता है जो पीढ़ियों को जोड़ता है। पिंडदान के माध्यम से पितरों की अधूरी कामनाओं को पूर्णता की दिशा मिलती है और उन्हें मोक्ष की ओर अग्रसर होने में सहायता प्राप्त होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि मौनी अमावस्या के दिन किया गया पिंडदान अनेक अमावस्याओं के फल के बराबर होता है, क्योंकि इस दिन मौन की ऊर्जा कर्म को कई गुना प्रभावशाली बना देती है। इस दिन मौन के साथ किया गया तर्पण साधक के भीतर भी गहरा परिवर्तन लाता है। जब व्यक्ति मौन रहकर पितरों का स्मरण करता है, तो उसका अहंकार स्वतः झुक जाता है। उसे यह बोध होता है कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक लंबी परंपरा की कड़ी है। यह बोध जीवन में विनम्रता, करुणा और संतुलन को जन्म देता है। मौन की शांति में किया गया स्मरण केवल पितरों को ही नहीं, स्वयं साधक को भी मुक्त करता है। वह अपने भीतर जमी अनेक ग्रंथियों को खोल पाता है।

मौनी अमावस्या पर मौन धारण करना मन को एकाग्र करने का सशक्त साधन है। मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष अपने ही मन से है। वाणी जब निरंतर सक्रिय रहती है, तो मन भी बाहर की ओर दौड़ता रहता है। मौन उसे भीतर लौटने का अवसर देता है। इस दिन यदि व्यक्ति कुछ समय के लिए पूर्ण मौन रखे, ध्यान करे, जप करे या केवल श्वास के आवागमन को साक्षी भाव से देखे, तो आत्मा पर जमी धूल स्वतः झड़ने लगती है। यही आत्मशुद्धि है, यही साधना का सार है। मौन जीवन को सुंदर बनाता है क्योंकि वह अनावश्यक को हटाता है। जहाँ मौन है, वहाँ क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष स्वतः क्षीण हो जाते हैं। मौन शक्ति का केंद्र इसलिए है क्योंकि वह ऊर्जा को व्यर्थ बिखरने नहीं देता। जो ऊर्जा शब्दों में नष्ट होती है, वही मौन में संचित होकर साधना बन जाती है। इसी संचित ऊर्जा से व्यक्ति अपने जीवन को ऊँचाई देता है। मौन अध्यात्म की गति है क्योंकि यह सीधे आत्मा से जुड़ता है, किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती।

वस्तुतः आध्यात्मिक क्षेत्र में मौन का एक विशिष्ट और अपरिहार्य स्थान है। यह कोई साधारण चुप्पी नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यवस्थित और वैज्ञानिक साधना है, जिसे अपनाकर साधक अपनी चित्त-वृत्तियों को विक्षेप से बचा लेता है। मौन के अभ्यास से जीवनी शक्ति और प्राण शक्ति परिपुष्ट होती है। व्यक्ति अपने भीतर एक नई स्फूर्ति, नई ताजगी और आंतरिक ऊर्जा का अनुभव करता है। निरंतर बोलते रहने से न केवल वाणी की प्रभावशीलता क्षीण होती है, बल्कि उससे मस्तिष्क की सूक्ष्म शक्तियों का भी अनावश्यक क्षय होता है। मौन के द्वारा वाणी सुरक्षित होती है, परिष्कृत होती है और उसमें गहन प्रभाव उत्पन्न होता है। अध्यात्म क्षेत्र में जिस वाक-सिद्धि की चर्चा की जाती है, उसका मूल आधार भी मौन-साधना ही है। कम बोलने वाला व्यक्ति जब बोलता है, तो उसके शब्दों में स्वतः ही वजन और प्रभाव आ जाता है।

महात्मा गांधी अपने जीवन में मौन को विशेष महत्व देते थे। उनकी आत्मकथा से ज्ञात होता है कि वे प्रति सप्ताह एक दिन मौन रखते थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बोले सभी होटलों के मेन्यू में दिखे उत्तराखंडी व्यंजन

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आम्रपाली विश्वविद्यालय परिसर से आयोजित श्रीअन्न आधारित 'शेफ संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े युवा शेफ, होटल एवं पर्यटन क्षेत्र के विशेषज्ञ, शिक्षाविद् एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों, श्रीअन्न आधारित खानपान और इससे जुड़े रोजगार व पर्यटन अवसरों पर सार्थक संवाद स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से युवा शेफों ने उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन के प्रचार-प्रसार, गुणवत्ता मानकों, सरकारी प्रयासों और इस क्षेत्र में करियर की संभावनाओं को लेकर अनेक प्रश्न किए। शेफ शक्ति प्रसाद के प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सभी होटलों के मेन्यू में उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आवास तथा विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में मेहमानों को उत्तराखंड का पारंपरिक भोजन प्राथमिकता से परोसा जाता है, जिससे स्थानीय व्यंजनों को सम्मान और पहचान मिल सके।

शेफ संजीव जुयाल द्वारा उत्तराखंड के सभी शेफों को एक साझा मंच पर लाने के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में पर्यटन विभाग को एक समग्र प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि राज्य के शेफ समुदाय को एक अंब्रेला

प्लेटफॉर्म के तहत जोड़ा जा सके और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर मिल सकें।

वहीं, शेफ सुनील उपाध्याय द्वारा पारंपरिक उत्तराखंडी भोजन की शुद्धता, प्रमाणिकता और मानक तय करने को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने अवगत कराया कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से कार्य कर रही है। पारंपरिक व्यंजनों की गुणवत्ता बनाए रखने, उनकी पहचान संरक्षित करने और मानकीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि उत्तराखंड के स्वाद की मौलिकता बनी रहे।

उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग और कौशल विकास विभाग मिलकर इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि युवा स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता की ओर अग्रसर हों। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि यह संवाद केवल भोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उत्तराखंड की संस्कृति, परंपरा और पहचान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सभी शेफ साथियों, होटल एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए आम्रपाली विश्वविद्यालय और उसकी पूरी टीम को इस विचारशील और सार्थक 'शेफ संवाद' कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड संस्कारों, संस्कृति और विविध व्यंजनों की भूमि है। यहां के व्यंजन पहाड़ों की जीवनशैली, परंपराओं और आत्मा की कहानी कहते हैं। आज का पर्यटक केवल प्राकृतिक सौंदर्य ही नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति और खानपान का अनुभव भी करना चाहता है। ऐसे में शेफों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वे स्थानीय स्वाद के माध्यम से राज्य की पहचान को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हैं।

मुख्यमंत्री ने अप्रत्यक्ष रूप से यह भी कहा कि आज का शेफ केवल रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्कृति का संवाहक, पर्यटन का ब्रांड एम्बेसडर और रोजगार सृजन का माध्यम बन चुका है। उत्तराखंड के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में स्थानीय व्यंजनों, आतिथ्य परंपरा और शेफ समुदाय का योगदान अतुलनीय है।

श्रीअन्न पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भोजन या फसल नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समग्र विकास का सशक्त माध्यम बन रहा है। श्रीअन्न के माध्यम से गांव, किसान और समाज का अंतिम व्यक्ति विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। मंडुवा, झंगोरा, कोदा और रामदाना जैसी फसलें कम पानी में उगने वाली, पोषक तत्वों से भरपूर और किसानों की आय बढ़ाने वाली हैं, जो उत्तराखंड की जलवायु और मिट्टी के अनुकूल हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज श्रीअन्न के क्षेत्र में विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। भारत वैश्विक स्तर पर मोटे अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है और कुल वैश्विक उत्पादन में लगभग 38.4 प्रतिशत योगदान देता है। बदलती वैश्विक खाद्य प्राथमिकताओं के बीच फूड प्रोसेसिंग, हेल्थ फूड, होटल, कैफे, होम-स्टे और फूड स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए व्यापक संभावनाएं हैं।

राज्य सरकार की सोच को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का युवा अब नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बने। पलायन निवारण आयोग की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में लगभग 44 प्रतिशत युवा देश के विभिन्न हिस्सों से उत्तराखंड वापस लौटे हैं, जो राज्य में बढ़ते अवसरों का प्रमाण है।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने शेफ समुदाय से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि सभी मिलकर उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों को 'लोकल से ग्लोबल' बनाने की दिशा में कार्य करें। उनकी रचनात्मकता और प्रस्तुति उत्तराखंड के स्वाद को दुनिया की थाली तक पहुंचा सकती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'शेफ संवाद' से निकले विचार उत्तराखंड को पर्यटन, रोजगार और संस्कृति के क्षेत्र में एक नए विजन के साथ आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे और उत्तराखंड को सशक्त, आत्मनिर्भर व गौरवशाली राज्य बनाने का संकल्प अवश्य पूरा होगा।

इस अवसर पर विधायक बंशीधर भगत, आम्रपाली विश्वविद्यालय से संजय मिश्रा सहित देश भर से आए अनेक प्रतिष्ठित शेफ उपस्थित रहे।

एक नजर

उपराष्ट्रपति का देवभूमि आगमन, जॉलीग्रांट पर भव्य स्वागत

पथ प्रवाह, देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड के दौरे पर पहुंचे उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का जॉलीग्रांट हवाई अड्डे पर गरिमामय स्वागत किया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उपराष्ट्रपति का अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति का पारंपरिक उत्तराखंडी अंदाज में स्वागत किया गया। उनके आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। उपराष्ट्रपति के दौरे के दौरान राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सहभागिता प्रस्तावित है, जिससे प्रदेश के विकास और नीतिगत विषयों पर सकारात्मक संवाद को बल मिलने की उम्मीद है।

स्टार्टअप इंडिया रैंकिंग में उत्तराखण्ड को मिला 'लीडर' दर्जा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने प्रदान किया Certificate of Appreciation

पथ प्रवाह, देहरादून। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग ने जारी States' Startup Ecosystem Ranking (5वां संस्करण) में उत्तराखण्ड को मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने में 'लीडर' के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड सरकार के उद्योग विभाग को Certificate of Appreciation प्रदान किया गया। इस सम्मान से यह स्पष्ट होता है कि उत्तराखण्ड में स्टार्टअप नीति के जरिए नवाचार, उद्यमिता, निवेश प्रोत्साहन और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में कामयाब रहा है, जिसे अब राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है। उत्तराखंड की उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल के तौर पर भी देखा जा रहा है। यह सम्मान उत्तराखण्ड के लिए गर्व का विषय है। हमारी सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल नीतियां, सरल प्रक्रियाएं और मजबूत इकोसिस्टम विकसित किया है। राज्य के युवाओं में नवाचार की अद्भुत क्षमता है और सरकार हर स्तर पर उन्हें सहयोग प्रदान कर रही है। यह उपलब्धि प्रदेश के सभी उद्यमियों, स्टार्टअप्स और अधिकारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने की शिष्टाचार भेंट

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री (जल शक्ति मंत्रालय) डॉ. राज भूषण चौधरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्य एवं केंद्र के बीच जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल योजनाओं, सिंचाई, स्वच्छ जल उपलब्धता और उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

भेंट के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की पर्वतीय भौगोलिक संरचना, जल स्रोतों की संवेदनशीलता और राज्य में सतत जल प्रबंधन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड न केवल देश की प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल है, बल्कि 'जल जीवन मिशन' और अन्य केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से राज्य सरकार हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय राज्य मंत्री को अवगत कराया कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से पेयजल आपूर्ति, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और सिंचाई परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में जल स्रोतों के पुनर्जीवन और परंपरागत जल संरचनाओं के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने उत्तराखंड में जल शक्ति मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल संरक्षण और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं में राज्य सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की।

इस दौरान मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री के बीच राज्य में भविष्य की जल परियोजनाओं, केंद्र-राज्य समन्वय को और सुदृढ़ करने तथा जल संसाधनों के सतत उपयोग को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में उभरकर सामने आएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की सफलता अपार, सुशासन की बयार

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम उत्तराखंड में संवेदनशील, जवाबदेह और परिणामोन्मुखी शासन का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है। 17 जनवरी 2026 तक के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि सरकार केवल जनसमस्याएं सुन ही नहीं रही, बल्कि उनके त्वरित और प्रभावी समाधान को भी प्राथमिकता दे रही है।

प्रदेश के सभी 13 जनपदों में इस अभियान के तहत अब तक 383 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से 3,07,705 से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की, जो जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। शिविरों में अब तक 31,288 शिकायत प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 21,047 का सफल निस्तारण किया जा चुका है। यह प्रशासनिक सक्रियता और विभागीय

समन्वय का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

अभियान के अंतर्गत 42,116 से अधिक विभिन्न प्रमाण पत्र नागरिकों को जारी किए गए हैं। जाति, निवास, आय सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की घर-घर उपलब्धता से आमजन को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर से राहत मिली है। साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से 1,67,940 से अधिक नागरिक लाभान्वित हुए हैं।

अल्मोड़ा, हरिद्वार, देहरादून, ऊधम सिंह नगर सहित सभी जनपदों में अभियान प्रभावी ढंग से संचालित हुआ। यह कार्यक्रम केवल शिकायत निस्तारण तक सीमित न रहकर सरकार और जनता के बीच भरोसे, पारदर्शिता और संवाद का मजबूत सेतु बना है।

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में यह अभियान उत्तराखंड को सुशासन और जनविश्वास के मॉडल के रूप में देश के सामने प्रस्तुत करता है।

एक नजर

गेस्ट हाउस में लाठी-डंडों से पिटाई, सीसीटीवी कैमरे में कैद दबंगों का आतंक

पथ प्रवाह, रूड़की। पिरान कलियर क्षेत्र से कानून व्यवस्था को खुली चुनौती देने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। दिनदहाड़े एक युवक का जबरन कार में डालकर अपहरण किया गया और इसके बाद उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। आरोप है कि कार सवार दबंगों ने गंगनहर पुल के पास युवक को घेर लिया और जबरन गाड़ी में बैठाकर रास्ते भर उसकी पिटाई की। जान बचाने के लिए युवक चलती कार से कूदकर पास ही एक गेस्ट हाउस में घुस गया, लेकिन दबंगों का आतंक यहीं नहीं थमा। आरोपी भी गेस्ट हाउस के भीतर घुस गए और वहां युवक को लात-घूंसे और लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। पूरी घटना गेस्ट हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि घायल युवक खुद को बचाने की कोशिश करता रहा, जबकि हमलावर बेखौफ होकर लगातार हमला करते रहे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना ने एक बार फिर क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मसूरी नगर पालिका के खिलाफ ह?रिद्वार में व्यापारियों ने किया प्रर्दशन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मसूरी नगर पालिका क्षेत्र में कारोबारी इलाकों से वर्षों पुराने लघु व्यापारियों को हटाए जाने का विरोध हो रहा है। हरिद्वार में मसूरी रेहड़ी-पटरी संघर्ष समिति के समर्थन में लघु व्यापारी एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में चंडी चौक पर मसूरी नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शन के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री को ई-मेल से ज्ञापन भेजकर मसूरी नगर पालिका पर लघु व्यापारियों के कथित उत्पीड़न और शोषण का आरोप लगाकर निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। साथ ही, यह भी कहा गया कि मसूरी नगर पालिका क्षेत्र के लघु व्यापारियों को उनके पारंपरिक स्थानों पर ही पुनः व्यापार की अनुमति दी जाए। संजय चोपड़ा ने आरोप लगाया कि मसूरी नगर पालिका नगरीय फेरी नीति नियमावली का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने चेताया कि एक सप्ताह में समाधान नहीं हुआ तो लघु व्यापारी देहरादून पहुंचकर डीएम कार्यालय घेरेंगे। प्रदर्शन में राजकुमार सिंह, कमल सिंह, फूल सिंह, मोनू तोमर, शिवकुमार गुप्ता, कपिल सिंह, नीतीश अग्रवाल, योगेंद्र कुमार, मनीष, चंदन रावत, श्याम सिंह, जय सिंह बिष्ट आदि शामिल रहे।

हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को रवाना कर बोले मोदी, भारत को जोड़ना हमारी प्राथमिकता

मालदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हावड़ा से गुवाहाटी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को रवाना किया और कहा कि भारत को जोड़ना उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। मोदी ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले यहां विद्यार्थियों से बात भी की। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों ने श्री मोदी को पेंटिंग भेंट कीं। प्रधानमंत्री ने ट्रेन में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पहले लोग दूसरे देशों की आधुनिक ट्रेनों को देखकर आस लगाया करते थे कि भारत में भी ऐसी ट्रेनें हों। अब वह सपना सच हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मां दुर्गा और मां कामाख्या की भूमि को जोड़ रही है। उन्होंने इसके लिये पश्चिम बंगाल और असम के लोगों को बधाई दी। मोदी ने कहा कि रेलवे कायाकल्प के दौर से गुज़र रहा है। आज पश्चिम बंगाल सहित देश में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। आधुनिक और तेज गति से चलने वाली ट्रेनों का एक नेटवर्क बन रहा है। पश्चिम बंगाल के गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों को इसका फायदा हो रहा है। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल को मिली चार अन्य वंदे भारत ट्रेनों का ज़िक्र करते हुए कहा कि जो लोग बंगाल और पूर्वी भारत की यात्रा के लिये देश के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं, ये ट्रेनें उनके सफर को आसान बनायेंगी। आज भारतीय रेल आधुनिक होने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भी हो रही है। भारत के रेल इंजन, डिब्बे और मेट्रो कोच भारत की तकनीक की पहचान बन रहे हैं। आज हम अमेरिका और यूरोप से ज्यादा लोकोमोटिव बना रहे हैं। दुनिया के कई देश पैसेंजर कोच और मेट्रो कोच आयात कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था को लाभ और युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है, और यह आज के कार्यक्रम में दिखता भी है। इससे पूर्व, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि 'आधुनिक भारत की बढ़ती परिवहन ज़रूरतों' को पूरा करने के लिए बनायी गयी पूरी तरह से वातानुकूलित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को किफायती किराये पर एयरलाइन जैसा यात्रा का अनुभव देगी। यह लंबी दूरी की यात्राओं को तेज़, सुरक्षित और ज़्यादा सुविधाजनक बनायेगी। बयान में कहा गया कि यह ट्रेन हावड़ा-गुवाहाटी (कामाख्या) रूट पर यात्रा का समय लगभग 2.5 घंटे कम करेगी और धार्मिक यात्रा एवं पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा देगी। यह ट्रेन अपना पूरा सफर 14 घंटे में पूरा करेगी।

उपराष्ट्रपति की आत्मीय मुलाकात, खंडूरी का जाना हालचाल

पथ प्रवाह, देहरादून

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने देहरादून में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (से.नि.) बी.सी. खंडूरी से शिष्टाचार भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने लोकसभा में सहकर्मी रहे दिनों को स्मरण करते हुए मेजर जनरल खंडूरी के विशिष्ट सैन्य सेवाकाल और देश के सड़क अवसंरचना विकास में उनके ऐतिहासिक योगदान की सराहना की। उन्होंने स्वर्णिम चतुर्भुज एवं राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में बेहतर संपर्कता स्थापित करने में खंडूरी की भूमिका को उल्लेखनीय बताया, जिससे कोयंबटूर क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों के विकास को गति मिली। मुलाकात के दौरान राज्यपाल सेनि लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद रहे।

यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए एसपी जितेंद्र मेहरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की रैली

पथ प्रवाह, हरिद्वार

यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से शनिवार को हरिद्वार में जागरूकता रैली निकाली गई। जगजीतपुर पुलिस चौकी से भगत सिंह चौक तक निकाली गई सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली को एसपी हरिद्वार जितेंद्र मेहरा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर एआरटीओ (प्रवर्तन) नेहा झा, परिवहन कर अधिकारी वरुणा सैनी, संगीता धीमान, रविंद्र पाल सैनी, हरीश रावल, भारत भूषण, टीएसआई हितेश कुमार एवं प्रदीप कुमार सहित परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। रैली में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनुशासित ढंग से सहभागिता करते हुए सड़क सुरक्षा का सशक्त संदेश आमजन तक पहुँचाया।

रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को दोपहिया वाहन चालकों एवं पीछे बैठने वाले व्यक्तियों द्वारा अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चालकों एवं यात्रियों द्वारा सीट बेल्ट का प्रयोग करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बातचीत न करने, ओवरस्पीडिंग से बचने, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने, गलत दिशा में वाहन न चलाने तथा सभी यातायात नियमों का अक्षरशः पालन करने के प्रति जागरूक करना रहा।

रैली के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित बैनर, पोस्टर एवं नारों के माध्यम से नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि थोड़ी सी लापरवाही गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है, जबकि यातायात नियमों का पालन जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे सड़क पर वाहन चलाते समय पूर्ण सावधानी बरतें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। साथ ही यह भी कहा गया कि हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपने एवं अपने परिवार के जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है और सभी नागरिकों के सहयोग से ही सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकती है तथा एक सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था का निर्माण संभव है।

माघ मेले में सड़क सुरक्षा का संदेश, यातायात पुलिस की जीवन रक्षा पहल

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

36वें सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस उत्तरकाशी ने माघ मेले में सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में 16 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित इस अभियान के तहत रामलीला मैदान, उत्तरकाशी में चल रहे माघ मेला (बाडाहाट कू थौलू) में मेलार्थियों, वाहन चालकों और राहगीरों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

यातायात पुलिस की टीम ने शराब पीकर वाहन न चलाने, ओवरलोडिंग से बचने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाने, ओवरस्पीड, तीन सवारी जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। साथ ही गुड सेमेरिटन कानून की जानकारी देते हुए सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों की मदद के लिए लोगों को प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए तथा वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाकर सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता फैलाई गई। यातायात पुलिस ने बताया कि 36वें सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत पूरे जनपद में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम और शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सुरक्षित यातायात की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।

सजा सुनते ही पुलिस को चकमा देकर दोषी फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

पथ प्रवाह, रुड़की

दोषी नीरज।

न्यायालय परिसर से पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। चेक बाउंस से जुड़े एनआई एक्ट के एक मामले में सजा का ऐलान होते ही दोषी नीरज गोस्वामी कोर्ट परिसर से फरार हो गया। सजा सुनाए जाने के बाद जब उसे कोर्ट मोहर्रिर के साथ बाहर लाया जा रहा था, तभी आरोपी ने परिसर में मौजूद भीड़ का फायदा उठाकर पुलिस और कोर्ट स्टाफ को चकमा दिया और मौके से रफ्फूचक्कर हो गया।

घटना के बाद न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि शाम करीब 6 बजे ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल ने कंट्रोल रूम को सूचना दी कि एनआई एक्ट से संबंधित एक दोषी आरोपी कोर्ट से फरार हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

एसपी देहात शेखर सुयाल के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जिले की सीमाओं पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। वहीं न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

फरारी की इस घटना को लेकर पुलिस प्रशासन ने लापरवाही की जांच शुरू कर दी है। यह भी देखा जा रहा है कि ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों और कोर्ट स्टाफ से कहां चूक हुई। फिलहाल आरोपी नीरज गोस्वामी की तलाश लगातार जारी है और पुलिस का दावा है कि जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एम एच हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट और कैथलैब की हो स्थापना 9 ऋतु खण्डूडी

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने नई दिल्ली में देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान एवं रक्षा मंत्रालय के सैन्य कार्य विभाग के सचिव से शिष्टाचार भेंट कर देहरादून स्थित मिलिट्री हॉस्पिटल में हृदय रोग उपचार की आधुनिक एवं समुचित सुविधाओं की स्थापना का महत्वपूर्ण आग्रह किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने जनरल अनिल चौहान को मिलिट्री हॉस्पिटल देहरादून में पूर्ण विकसित कार्डियोलॉजी विभाग एवं कार्डिएक कैथ लैब की स्थापना संबंधी अपना विस्तृत पत्र सौंपा। यह आग्रह उत्तराखंड में तैनात सैनिकों, बड़ी संख्या में निवास कर रहे पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों के स्वास्थ्य एवं जीवन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। श्रीमती

ऋतु खण्डूडी भूषण ने भेंट के दौरान कहा कि मिलिट्री हॉस्पिटल देहरादून वर्षों से उत्तराखंड में सशस्त्र बलों के जवानों, आपदा एवं सैन्य अभियानों में घायल सैनिकों तथा पूर्व सैनिक परिवारों के लिए एक भरोसेमंद चिकित्सा केंद्र रहा है। इसके बावजूद हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु आवश्यक सुविधाओं का अभाव अत्यंत पीड़ादायक है।

उन्होंने जनरल अनिल चौहान को अवगत कराया कि वर्तमान में हृदय रोग से पीड़ित सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को लगभग 298 किलोमीटर दूर मिलिट्री हॉस्पिटल बरेली अथवा अन्य संबद्ध अस्पतालों में रेफर किया जाता है। आपात परिस्थितियों में इतनी लंबी दूरी तय करना कई बार गंभीर जोखिम उत्पन्न करता है। बीते तीन वर्षों में प्रतिवर्ष 750 से अधिक पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को कार्डियक उपचार हेतु रेफर किया जाना इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी रेखांकित किया कि देहरादून एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में देश की सेवा कर चुके हजारों पूर्व सैनिक एवं उनके परिवार स्थायी रूप से निवास करते हैं। ऐसे में मिलिट्री हॉस्पिटल देहरादून में कार्डियोलॉजी विभाग एवं कैथ लैब की स्थापना न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगी, बल्कि यह राष्ट्र द्वारा अपने सैनिक परिवारों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का भी प्रतीक बनेगी।

जनरल अनिल चौहान ने विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उठाए गए इस मानवीय एवं अत्यंत महत्वपूर्ण विषय को गंभीरता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ग्रहण किया और इस पर समुचित विचार का आश्वासन दिया। यह संवाद सशस्त्र बलों के कल्याण के प्रति शीर्ष सैन्य नेतृत्व की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार एवं सैन्य प्रशासन के सहयोग से शीघ्र ही इस दिशा में ठोस पहल होगी, जिससे उत्तराखंड में सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण हृदय रोग उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

एक नजर

जम्मू कश्मीर में छात्रावास से भागे छात्रों को हरिद्वार पुलिस ने परिजन को सौंपकर दी खुशी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यालय स्तर से गुमशुदा बालक, बालिकाओं व महिला,पुरुष की तलाश एवं पुनर्वास हेतु प्रदेश भर में चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन स्माइल' में गुमशुदा तलाश के दौरान एसएसपी हरिद्वार द्वारा गठित..॥.ज्ञ.. टीम को बड़ी सफलता मिली। टीम ने हर की पौड़ी क्षेत्र से दो बालकों को अत्यंत दयनीय अवस्था में रेस्क्यू किया। टीम ने जब ठंड में ठिठुर रहे बच्चों से पूछताछ की तो उन्होंने अपने बारे में जानकारी दी। दोनों बच्चों की उम्र 11 व 8 साल है। दोनों बालकों ने बताया कि वह जम्मू कश्मीर के रहने वाले हैं तथा 15.01.2026 की शाम अपने हॉस्टल वेद मंदिर जम्मू से भाग कर रेल के माध्यम से हरिद्वार पहुंचे। दोनों बालकों को आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरांत चिकित्सा परीक्षण हेतु ले जाया गया तथा आवश्यक चिकित्सा जांच उपरांत दोनों बालकों को बाल कल्याण समिति हरिद्वार में आवश्यक काउंसलिंग उपरांत खुला आश्रय गृह कनखल में संरक्षण दिलवाया गया। पुलिस द्वारा विभिन्न माध्यम से प्रयास करते हुए बच्चों के परिजनों से संपर्क होने पर दोनों बालकों के परिजन आज पुलिस कार्यालय रोशनाबाद हरिद्वार पहुंचे जहां एसपी क्राईम/ट्रैफिक जितेन्द्र मेहरा व एसपी/क्षेत्राधिकारी सदर निशा यादव द्वारा दोनों बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। खुशी के इस पल में परिजनों ने बच्चों को अपने गले से लगाकर भीगी पलकों के साथ एसएसपी डोबाल व हरिद्वार पुलिस का आभार व्यक्त किया।

लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए न्यायपालिका का सशक्त होना जरुरी : योगी

चंदौली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है कि हमारी न्यायपालिका उतनी ही सशक्त हो। आम आदमी को सरलता और सहजता के साथ न्याय प्राप्त हो, इसके लिए उतना ही उत्तम इंफ्रास्ट्रक्चर भी आवश्यक है। सरकार के पास न्यायिक व्यवस्था से जुड़े कोई भी कार्य आते हैं तो व्यवस्था में कोई देर नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले चरण में छह जनपदों के लिए धनराशि भेज दी है। डिजाइन स्वीकृत हो चुका है तथा सभी औपचारिकताएँ पूरी हो चुकी हैं। आज मुख्य न्यायाधीश द्वारा जैसे ही भूमि-पूजन हो जाएगा, वैसे ही एलएंडटी जैसी विश्व-विख्यात संस्थाओं द्वारा निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ' एक छत के नीचे कोर्ट कॉम्प्लेक्स तो होगा ही, साथ ही अधिवक्ताओं के लिए आधुनिक चैंबर, न्यायिक अधिकारियों के लिए आवासीय सुविधा, स्पोर्ट्स सुविधा, पार्किंग और कैंटीन की व्यवस्था भी होगी। अब ऐसा नहीं होगा कि न्याय के लिए संघर्ष करने वाले हमारे अधिवक्ता दिन की रोशनी में भी चैंबर में सूरज के दर्शन करते रहें। टूटे-फूटे चैंबर नहीं, बल्कि बेहतरीन सुविधाओं वाला एकीकृत कॉम्प्लेक्स होगा। उन्होंने कहा कि चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस एवं औरैया–इन छह जनपदों के एकीकृत न्यायालय परिसर का शुभारंभ आज होगा। शेष चार अन्य जनपदों की सभी औपचारिकताएँ कुछ ही महीनों में पूरी कर ली जाएँगी। भारत के न्यायिक इतिहास में यह कार्य स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा। इसकी शुरुआत मुख्य न्यायाधीश के कर-कमलों से आज होने जा रही है।

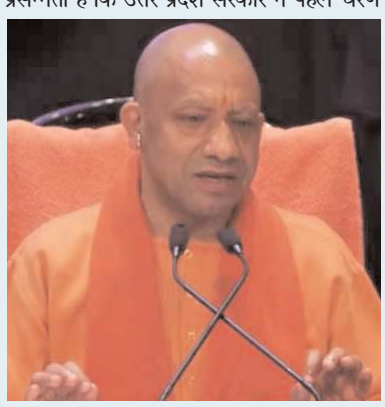

सुखवंत सिंह आत्महत्या प्रकरण: एसआईटी चीफ आईजी नीलेश आनन्द भरणें काठगोदाम पहुंचे

पथ प्रवाह, काठगोदाम

सुखवंत सिंह आत्महत्या प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच के लिए गठित विशेष जांच टीम के अध्यक्ष व आईजी एसटीएफ नीलेश आनन्द भरणें मय टीम के साथ काठगोदाम पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर क्राइम सीन का जायजा लिया, जहां एफएसएल टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए गए। साथ ही प्रकरण से जुड़े स्वतंत्र गवाहों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

आईजी एसटीएफ श्री भरणें ने बताया कि ऊधमसिंहनगर पुलिस कार्यालय, थाना आईआईटी, चौकी पैगा सहित संबंधित शाखाओं में उपलब्ध सभी अभिलेखों व दस्तावेजों को संरक्षित किया जा रहा है। निष्पक्षता बनाए रखने के लिए एसआईटी के

अतिरिक्त स्थानीय पुलिस को पीड़ित परिवार एवं गवाहों से अनावश्यक संपर्क न करने के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित परिजनों की सुरक्षा के लिए अन्य जनपदों से पुलिस गार्द की तैनाती भी की जा रही है।

तकनीकी विश्लेषण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एसआईटी में उप निरीक्षक हेमन्त कठैत (थाना लोहाघाट), उप निरीक्षक सोनू सिंह (एएनटीएफ), उप निरीक्षक राधिका भण्डारी (थाना चम्पावत), हेड कांस्टेबल विनोद यादव (थाना बनबसा), हेड कांस्टेबल कमल कुमार (थाना टनकपुर) तथा कांस्टेबल गिरीश भट्ट (सर्विलांस सेल, टनकपुर) को शामिल किया गया है।

देर सायं स्ढ्ढञ्ज ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि जांच पूरी तरह तथ्यों, साक्ष्यों और विधिक प्रावधानों के अनुरूप की जाएगी। इसी क्रम में थाना आईटीआई में पंजीकृत एफआईआर को थाना काठगोदाम स्थानांतरित किया जा रहा है, ताकि विवेचना प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सके।

27 जनवरी को मनाया जाएगा यूसीसी दिवस, अपर जिलाधिकारी ने दिये समय से तैयारी पूरे करने के निर्देश

पथ प्रवाह, पौड़ी। जनपद पौड़ी गढ़वाल में 27 जनवरी को यूसीसी दिवस मनाए जाने को लेकर एनआईसी कक्ष में अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को यूसीसी दिवस के आयोजन की सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने संस्कृति विभाग को निर्देशित किया कि यूसीसी दिवस कार्यक्रम के लिए स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों हेतु उपयुक्त सांस्कृतिक दलों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि यूसीसी के अंतर्गत सर्वाधिक पंजीकरण करने वाले अधिकारी एवं कार्मिक को कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि यूसीसी से संबंधित लगभग तीन मिनट की लघु फिल्म का प्रदर्शन भी कार्यक्रम में किया जाएगा, जिससे आमजन को यूसीसी की जानकारी सरल एवं प्रभावी रूप से मिल सके।

अपर जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि यूसीसी को लेकर जनपद में अब तक की गई

विभिन्न कार्रवाइयों पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से यूसीसी के क्रियान्वयन से जुड़े प्रयासों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूसीसी दिवस कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाने वाले गणमान्य व्यक्तियों को समय रहते निमंत्रण पत्र भेजना सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक किया जा सके। इस अवसर पर सीओ तुषार बोरा, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह, जिला युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र फोनिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल, एडीपीआरओ प्रदीप सुंदरियाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सदन में आतिशी की टिप्पणी वाले वीडियो से नहीं हुई कोई छेड़छाड़: विजेंद्र

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विपक्ष की नेता आतिशी के सिख गुरुओं का अपमान करने वाले कथित टिप्पणी से जुड़े वीडियो की सच्चाई पर फोरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में क्लिप को सही और बिना किसी छेड़छाड़ के बताया गया है। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को वीडियो की फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट को सार्वजनिक करते हुए कहा कि विपक्ष की मांग पर सदन की रिकॉर्डिंग को फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएलएल)

को भेजा गया था जिसकी रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो ऑडियो-वीडियो है वह एक ही है। उसमें किसी प्रकार की छेड़खानी नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि सुश्री आतिशी की ओर से गुरुओं के लिए की टिप्पणी पर कोई जवाब देने के बजाय विपक्ष राजनीतिक हथकंडा अपना रही है और पंजाब की एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब रिपोर्ट साफ है, सदन की ट्रांसक्रिप्ट, वीडियो और ऑडियो सब मेल खाते हैं। सुश्री आतिशी को आकर मुझसे मिलना चाहिए, अपनी गलती माननी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

देर रात रैन बसेरों का हाल जानने निकले उपाध्यक्ष आपदा प्रबंधन विनय रोहिला

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शीत लहर से गरीब एवं बेसहारा व्यक्तियों को राहत एवं बचाव के लिए रोड़ीबेलवाला क्षेत्रांतर्गत बनाए गए रैन बसेरो में की गई व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का देर रात्रि उपाध्यक्ष आपदा प्रबंधन विनय रोहिला ने नगर निगम एवं प्रशासन के अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर गरीब एवं बेसहारा व्यक्तियों एवं श्रद्धालुओं को शीतलहर से बचाव के लिए कम्बल भी वितरित किए गए।

रैन बसेरो का निरीक्षण करते हुए उपाध्यक्ष आपदा प्रबंधन ने नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि रैन बसेरो में आने वाले गरीब एवं बेसहारा लोगों को सभी सुविधाएं उपलब्ध हो, जिसमें विद्युत, पानी, शौचालय, समुचित बिस्तर के साथ साथ उसकी समुचित साफ सफ़ाई व्यवस्था दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि रैन बसेरो में आने वाले व्यक्तियों का पूरा विवरण रखा जाए एवं किसी व्यक्ति एवं श्रद्धालुओं से कोई भी शुल्क न लिया जाए।

उन्होंने नगम निगम को निर्देश दिए है कि उच्च अधिकारियों द्वारा समय समय पर रैन बसेरो पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाए। उन्होंने नगर निगम एवं उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए है कि शहर एवं तहसील क्षेत्रांतर्गत सार्वजनिक स्थानों एवं मुख्य चौराहों पर अलाव जलाने की समुचित व्यवस्था निरंतर की जाए,जिसकी गरीब एवं बेसहारा व्यक्तियों को शीतलहर के प्रकोप से उनकी सुरक्षा की जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश में कोई भी गरीब एवं बेसहारा व्यक्ति शीतलहर से प्रभावित न हो,जिसके लिए उन्होंने बैठक आयोजित करते हुए सभी राज्य मंत्रियों को अपने अपने क्षेत्रों में गरीब व्यक्तियों के लिए शीतलहर से बचाव एवं राहत के लिए तैयार किए गए रैन बसेरो में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए गए है,जिसके अनुपालन में आज उनके द्वारा धर्मनगरी हरिद्वार के रोड़ीबेलवाला क्षेत्रांतर्गत संचालित रैन बसेरो एवं विभिन्न स्थानों पर जलाए जा रहे अलाव का निरीक्षण कर जायजा लिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब एवं बेसहारा लोगों की सहायता के लिए तत्पर है एवं अंतिम छोर पर निवासरत व्यक्ति तक सरकार पहुंच रही है तथा उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनों का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा आशुतोष शर्मा, उपाध्यक्ष लव शर्मा, विशाल गर्ग, मनोज गौतम, उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, उप नगर आयुक्त ऋषभ उनियाल, तहसीलदार सचिन कुमार आदि अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

बोडो युवा असम के सांस्कृतिक दूत, विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम कर रहे रोशन : मोदी

गुवाहाटी 17 जनवरी (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बोडो समुदाय के युवाओं को असम का सांस्कृतिक दूत बताते हुए कहा है कि उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होते हुए खेलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बोडो समाज का नाम रोशन किया है। श्री मोदी ने शनिवार को यहां सरुसजाई स्टेडियम में बोडो समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाने वाले ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'बागुरुम्बा दहोउ 2026' में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा, ' प्रतिभाशाली बोड़ो युवा आज असम के सांस्कृतिक दूत बन रहे हैं। खेल के क्षेत्र में भी बोड़ो समाज के बेटे बेटियां नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 के बोडो शांति समझौते ने वर्षों से चले आ रहे संघर्ष पर विराम लगाया। इस समझौते के बाद भरोसा लौटा और हजारों युवाओं ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा को अपना लिया। उन्होंने कहा कि असम का आत्मविश्वास , असम का सामर्थ्य असम की प्रगति से भारत की विकास यात्रा को नयी शक्ति मिल रही है।

मोदी ने कहा कि बागुरूम्बा दहोउ केवल एक उत्सव नहीं महान बोडो परंपरा को सम्मान देने और बोडो समाज की महान विभूतियों को याद करने का एक माध्यम है। इस अवसर पर राज्य के 23 जिलों की 81 विधानसभा क्षेत्रों के बोडो समुदाय के 10,000 से अधिक कलाकारों ने एक साथ समन्वित प्रस्तुति में बागुरुम्बा नृत्य किया।

डीजीसीए का इंडिगो पर 22 करोड़ का जुर्माना, 50 करोड़ की बैंक गारंटी जमा कराने का निर्देश

नयी दिल्ली, 17 जनवरी (वार्ता) नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर उस पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, और एक अधिकारी को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। एयरलाइंस ने कहा है कि उसे आदेश मिल गया है और वह इसके अनुरूप कदम उठायेगी। गत 03 दिसंबर से 05 दिसंबर के बीच इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द रही थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। हालांकि बड़े पैमाने पर व्यवधान उसके बाद भी जारी रहा था, लेकिन डीजीसीए ने अपनी कार्रवाई के लिए सिर्फ इन्हीं तीन दिनों को आधार बनाया है।

जांच समिति ने 26 दिसंबर को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

इंडिगो के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कंपनी के हितधारकों और ग्राहकों के नाम जारी संदेश में कहा है कि कंपनी का निदेशक मंडल और प्रबंधन डीजीसीए के आदेश का पूरी तरह से संज्ञान लेगा और समय पर समुचित कदम उठायेगा। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस ने भी अपनी आंतरिक प्रक्रिया की मजबूती की समीक्षा शुरू की है ताकि इंडिगो भविष्य में और मजबूत बनकर उभरे। नियामक ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को आगाह करके छोड़ दिया है जबकि मुख्य परिचालन अधिकारी इसिडर पोरक्रस को विंटर शिड्यूल और फ्लाइट ड्यूटी से संबंधित नये नियमों के असर के आंकलन में विफल रहने के लिए चेतावनी जारी की है। साथ ही, कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर) जैसन हर्टर को मौजूदा जिम्मेदारियों से मुक्त करने और कोई भी जिम्मेदारी का पद न देने का आदेश दिया गया है।

कंपनी के उड़ान परिचालन के उपप्रमुख, अतिरिक्त उपाध्यक्ष (क्रू संसाधन प्रबंधन) और उड़ान परिचालन के निदेशक को भी चेतावनी जारी की गयी है।

इंडिगो से 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा कराने के लिए भी कहा गया है। कंपनी जैसे-जैसे डीजीसीए के निर्देशों के अनुरूप लक्ष्यों को हासिल करती जायेगी, बैंक गारंटी की राशि उसे वापस मिलती जायेगी। नियामक ने सिविल एविशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) के छह प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए 30-30 लाख रुपये के अलग-अलग जुर्माने लगाये हैं। वहीं, 05 दिसंबर से 10 फरवरी तक (68 दिन के लिए) कंपनी को फ्लाइट ड्यूटी के जिस नियम में छूट दी गयी है उसके लिए प्रतिदिन 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस प्रकार कुल 22.20 करोड़ रुपये का दंड भरने का निर्देश दिया गया है। डीजीसीए ने कहा है कि यदि एयरलाइन अपनी आंतरिक जांच में किसी अन्य अधिकारी को भी दोषी पाती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इंडिगो के प्रबंधन ने चालक दल के सदस्यों, विमानों और नेटवर्क संसाधनों के अधिकतम दोहन पर पूरा फोकस रखा जिससे रोस्टर में उड़ानों में देरी या आपात स्थिति के लिए कोई गुंजाइश नहीं रह गयी। चालक दल का रोस्टर इस तरह तैयार किया गया ताकि उनकी ड्यूटी की अवधि को अधिकतम किया जा सके। इससे परिचालन में लचीलापन समाप्त हो गया। समिति ने जांच में पाया कि 'इंडिगो संकट' के प्राथमिक कारण थे - एयरलाइंस ने नियमों में बदलाव के अनुरूप पूरी तैयारी नहीं की थी। इसके अलावा सिस्टम सॉफ्टवेयर सपोर्ट और प्रबंधन ढांचे तथा परिचालन नियंत्रण में भी खामियां थीं।

स्वच्छता अभियान के दो माह हुए पूरे, आम रास्तों से लेकर गलियों तक से दूर हो रही गंदगी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाए जाने के लिए जनपद में चल रहे स्वच्छता अभियान के शनिवार को दो माह पूरे हो गए। यह अभियान 31 जनवरी तक चलेगा। अभियान को और गति देने के लिए जिलाधिकारी रोस्टर तय कर अधिकारियों की ड्यूटी लगायी है। सफाई अभियान शहर से लेकर गांव कस्बों तक किया जा रहा है, जिसका असर अब धरातल पर दिखने लगा है।

जनपद को साफ स्वच्छ बनाने की दिशा में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित निरंतर प्रयासरत है, सफाई अभियान में ओर तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों का विभागवार रोस्टर तैयार करते हुए 31 जनवरी तक जनपद में महा स्वच्छता अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि स्वच्छता अभियान में जो जिम्मेदारी एवं दायित्व जिस अधिकारी को सौंपी गई है वह अपने दायित्वों का निर्वहन संवेदनशीलता के साथ करेंगे, जिससे कि तीर्थनगरी को साफ स्वच्छ,सुंदर जनपद बनाया जा सके। वन विभाग एसडीओ पूनम कैथोला ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में शनिवार को वन विभाग के अंतर्गत संचालित सभी वन चौकियों एवं उसके आस पास वन सड़क मार्गों क्षेत्रांतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें रुड़की, चिड़ियापुर, हरिद्वार, लक्सर रसियाबड़, श्यामपुर आदि क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया कि बीएचईएल (BHEL) टाउनशिप प्रशासन विभाग की टीम द्वारा सेक्टर 1 स्थित टाइप 4 क्वार्टरों एवं आकांक्षा स्कूल के समीप सड़क किनारे झाड़ी कटान, हार्टिकल्चर वेस्ट तथा कूड़ा एकत्रित कर साफ सफाई की गई। एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर अतुल शर्मा ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग दुधाधारी फ्लाईओवर एवं ऋषिकुल तिराहा क्षेत्रांतर्गत सफाई कार्य किया गया। पंचायत सेकेट्री बहादराबाद ने अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत सराय विकास खंड बहादराबाद क्षेत्रांतर्गत सड़क किनारे पड़े कूड़े एवं तालाब के आसपास डंप किए गए कूड़े को हटाया गया था पौधारोपण किया गया। खण्ड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया कि खानपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत चंद्रपुरी बांगर, माड़ाबेला, शेरपुर बेला महाजीटिप एवं तुगलपुर क्षेत्रांतर्गत सफाई अभियान चलाया गया तथा 08 कुंटल कूड़ा कचरा एकत्रित किया गया। खण्ड विकास अधिकारी रूड़की ने अवगत कराया कि रुड़की क्षेत्रांतर्गत ब्रह्मपुर, शंकरपुरी मुलदसपुर माजरा में साफ़ सफाई का कार्य किया गया।

दूषित पानी पर राहुल गांधी का सरकार पर हमला, बोले- पानी पीकर लोग मर रहे, यही अर्बन मॉडल

इंदौर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों और बीमारियों को लेकर सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि लोग पानी पीकर मर रहे हैं और इसे स्मार्ट सिटी व अर्बन मॉडल बताया जा रहा है। सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है और उसे इस पूरे मामले की जवाबदेही लेनी चाहिए।

शनिवार को इंदौर पहुंचे राहुल गांधी ने सबसे पहले बॉम्बे हॉस्पिटल जाकर दूषित पानी से बीमार हुए मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद वे भागीरथपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवारों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। दोनों परिवारों को उन्होंने आर्थिक सहायता के रूप में चेक प्रदान किए।

राहुल गांधी ने इंदौर के संस्कार गार्डन में अन्य प्रभावित परिवारों से भी मुलाकात की। यहां उन्होंने प्रत्येक परिवार को एक-एक लाख रुपये और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा 50-50 हजार रुपये के चेक वितरित किए। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ इंदौर की समस्या नहीं है, बल्कि देश के कई शहरों में लोग साफ पानी के लिए परेशान हैं। भागीरथपुरा में पीड़ित परिवारों से मिलने के

बाद राहुल गांधी ने कहा कि यह तथाकथित नई स्मार्ट सिटी का मॉडल है, जहां पीने का साफ पानी तक उपलब्ध नहीं है। परिवारों ने पानी पीने के बाद बीमारी झेली और मौतें हुईं। उन्होंने कहा कि लोगों को डराया जा रहा है और आज भी इलाके में साफ पानी नहीं मिल रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को इस मामले में जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इलाज पर हुए खर्च और मौतों के लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इसे राजनीति कहा जाए तो भी उनका उद्देश्य लोगों के हक के लिए आवाज उठाना है। राजनीति के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि वे यहां मदद करने और पीड़ितों के साथ खड़े होने आए हैं। विपक्ष के नेता के रूप में उनकी जिम्मेदारी है कि जहां लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, वहां उनकी आवाज उठाई जाए।

इस दौरान राहुल गांधी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अजय सिंह सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com